WEST BENGAL STATE UNIVERSITY B.A. Honours 6th Semester Examination, 2021

HINACOR13T-HINDI (CC13)

Time Allotted: 2 Hours **Full Marks: 50**

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) 'एक लिपि विस्तार परिषद् की स्थापना किसने की थी ?

(ख) 'मतवाला' के प्रकाशन की प्रेरणा किस बांग्ला साप्ताहिक पत्र से मिली थी ?

(**ग**) 'सरस्वती' पत्रिका किस संस्था के तत्वावधान से प्रकाशित होती थी ?

(**घ**) सुधा पत्रिका के संपादक का नाम लिखिए?

(**ङ**) 'धर्मयुग के प्रथम संपादक कौन थे?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

(क) साहित्यिक पत्रकारिता का स्वरूप

(ख) चाँद

(**ग**) बालमुकुंद गुप्त

(**घ**) आलोचना

(**ङ**) साहित्यिक पत्रकारिता और निराला।

3. साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा और उसके विकास पर विचार कीजिए।

अथवा

मूल्यभित्तिक साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रेमचंद की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्यिक पत्रकारिता का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

समकालीन हिंदी साहित्यिक पत्रकारिता के विविध आयामों पर विचार कीजिए।

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY B.A. Honours 6th Semester Examination, 2021

HINACOR14T-HINDI (CC14)

Time Allotted: 2 Hours **Full Marks: 50**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के वस्तुनिष्ठ उत्तर दीजिए **1x5-5**

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी का सामान्य अर्थ क्या है?

(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी का कोई एक उद्देश्य लिखिए।

(ग) राजभाषा के प्रयोग के संदर्भ में 'क' क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाले किसी राज्य का नाम लिखिए।

(घ) "सरकारी कार्यालयों में हिन्दी प्रयोग पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(ङ) मसौदा लेखन को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?

2) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए - **5×3-15**

(क) मसौदा लेखन

(ख) टिप्पणी

(ग) सरकारी पत्राचार

(घ) व्यावसायिक हिंदी के प्रमुख लक्षण

(ङ) हिन्दी की शैलियां।

3. प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप बताते हुए उसकी अवधारणा पर दृष्टिपात कीजिए।

अथवा

हिन्दी के प्रयोगात्मक क्षेत्रको विश्लेषित कीजिए।

4. वैज्ञानिक हिन्दी के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख लक्षणों को रेखांकित कीजिए

'अथवा'

हिंदी में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

HINADSEOST-HINDI (DSE3/4)

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2021

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) तुलसीदास को 'हिंदी की जातीय परंपरा का कवि किसने कहा है?

(ख) किस आलोचक के अनुसार तुलसीदास 'कलिकाल का वाल्मीकि हैं?

(ग) दूलह राम सीय दुलहीरी यह पंक्ति तुलसीदास के किस काव्यग्रंथ की है ?

(घ) तुलसीदास की भक्ति का दार्शनिक मत किस नाम से जाना जाता है?

(ङ) तुलसी के अनुसार कलिकाल का श्रेष्ठ वक्ता कौन होगा ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए

(क) गुरु सिष्य बधिर अंध का लेखा। एक न सुनइ एक नहिं देखा।।

हरइ सिष्य धन सोक न हरई। सो गुरु घोर नरक महुं परई।।

मातु पिता बालकन्हि बोलावहि। उदर भरे सोई धर्म सिखावहि।

(ख) खेती न किसानको, भिखारीको न भीख, बलि,

बनिकको बनिज, न चाकरको चाकरी।

जीविका बिहीन लोग सीदद्यमान सोच बस,

कहें एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी?

(ग) जाके प्रिय न राम बैदेही।

सो छाँदिए कोटि बैरी सम जदद्यपि परम सनेही ।।

तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषन बंधु, भरत महतारी।

बलि गुरु तज्यो, कंत ब्रज-बनितनि, भए मुदमंगलकारी ।।

(**घ**) घर कीन्हें घर जात है, घर छोड़े घर जाई।

तुलसी घर वन बीच ही राम-प्रेमपुर छाय।।

(**ङ**) भए बरन संकर कलि मिन्नसेतु सब लोग।

करहिं पाप पावहिं दुःख भय रुज सोक बियोग ।।

3. "तुलसीदास को जो अभूतपूर्व सफलता मिली उसका कारण यह था कि वे समन्वय की विशाल बुद्धि लेकर उत्पन्न हुए थे। इस कथन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलसीदास की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

4."क्योंकि कविता हृदय का व्यापार है, दिमाग को खुजलाकर उसका आवाहन नहीं किया जा सकता। इस कथन के आलोक में तुलसी की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए

अथवा

तुलसीदास के भाषागत वैशिष्ट्य पर सोदाहरण विचार कीजिए।

B.A. Honours 6th Semester Examination,2021

HINADSEO6T-HINDI (DSE3/4)

Time Allotted: 2 Hours **Full Marks: 5**

1.निम्नलिखित प्रश्नों के वस्तुनिष्ठ उत्तर दीजिए-

(क) 'सेवासदन' उपन्यास के मूल उर्दू रूप का नाम क्या है?

(ख) 'दो बैलों की कथा कहानी का प्रकाशन वर्ष बताइए।

(ग) 'सप्त सरोज' कहानी संग्रह का कथाकार कौन है ?

(घ) 'जबरा' किस कहानी का पात्र है?

(ङ) मीर साहब के पास घुड़सवार को किसने भेजा था ?

2. निम्नलिखित गद्द्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

(**क**) वसंत के समीर और ग्रीष्म की लू में कितना अंतर है। एक सुखद और प्राण पोषक, दूसरी अग्निमय और विनाशिनी। प्रेम वसंत-समीर है, दद्वेष ग्रीष्म लू। जिस पुष्प को वसंत समीर महीनों में खिलाती है, उसे लू का एक झोंका जलाकर राख कर देता है।

(ख) हमारे सोये हुए धर्मज्ञान की सारी सम्पत्ति लुट जाए, तो उसे खबर नहीं होती, परंतु ललकार सुनकर वह सचेत हो जाता है फिर उसे कोई जीत नहीं सकता।

(**ग**) कितना अपूर्व दृश्य था, जिसकी सामूहिक क्रियाएँ, विस्तार और अनंतता हमदय को श्रद्धा, गर्व और आत्मानंद से भर देती थीं। मानो भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोये हुए है।

(**घ**) शहर में न कोई हलचल थी न मारकाट। एक बूंद भी खून नहीं गिरा था। आज तक किसी स्वाधीन देश के राजा की पराजय इतनी शांति से इस तरह खून बहे बिना न हुई होगी। यह वह अहिंसा न थी. जिस पर देवगण प्रसन्न होते हैं। यह वह कायरपन था जिस पर बड़े-बड़े कायर भी आँसू बहाते हैं।

(ङ) हमारी कसौटी पर वही साहित्य खरा उतरेगा जिसमें उच्च चिंतन हो, स्वस्वाधीनता का भाव हो, सौदर्य का सार हो, सृजन की आत्मा हो, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश हो, जो हममें गति और बेचैनी पैदा करे, सुलाये नहीं, क्योंकि अब और ज्यादा सोना मृत्यु का लक्षण है।

3) सेवासदन उपन्यास में उपन्यास कला के सभी तत्व प्राप्त होते हैं युक्तियुक्त उत्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रेमचंद की साहित्य संबंधी धारणाओं की समीक्षा कीजिए।

4) कहानी कला की दृष्टि से पूस की रात कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

प्रेमचंद की कहानियों के आधार पर उनके आदर्शोन्मुख यथार्थवाद की समीक्षा कीजिए।